ओफियोफैगस कालिंगा

[स्रोत: द हिंदू]

हाल ही में, कर्नाटक की किंग कोबरा प्रजाति, जिसे स्थानीय रूप से **'कालिंगा सर्पा (Kaalinga Sarpa)' के नाम से जाना जाता है,** को वैज्ञानिक समुदाय में आधिकारिक तौर पर **ओफियोफैगस कलिंगा** नाम दिया गया है।

- **किंग कोबरा** को पहली **बार 1836 में** डेनिश प्रकृतिवादी **थियोडोर एडवर्ड कैंटर द्वारा ओफियोफैगस हन्ना (Ophiophagus hannah)** के रूप में वर्गीकृत किया गया था।
  - किंग कोबरा पर 186 वर्षों तक कोई आनुवंशिक अध्ययन नहीं किया गया था।
- भौगोलिक वंशावली के आधार पर किंग कोबरा को **चार अलग-अलग प्रजातियों में पुनर्वर्गीकृत** किया गया है:
  - **उत्तरी किंग कोबरा (ओफियोफैगस हन्नाह):** यह पाकिस्तान से लेकर पूर्वी चीन और दक्षिण पूर्व एशिया तक पाया जाता है।
  - **सुंडा किंग कोबरा (ओफियोफैगस बंगारस):** थाईलैंड, मलेशिया और फिलीपींस के कुछ हिस्सों सहित दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाता है।
  - **पश्चिमी घाट किंग कोबरा (ओफियोफैगस कलिंगा): भारत के** पश्चिमी घाट में स्थानिक रूप से पाया जाता है।
  - **लूज़ॉन किंग कोबरा (ओफियोफैगस सल्वाटाना): केवल फिलीपींस के लूज़ॉन द्वीप** पर पाया जाता है।
- किंग कोबरा **दिनचर (दिन के समय सक्रिय) होते हैं,** तथा मुख्य रूप से रैट स्नेक, धामन और अन्य कोबरा जैसे साँपों को खाते हैं।
- किंग कोबरा एकमात्र ऐसा साँप है जो अंडे से बच्चे निकलने तक **घोंसला बनाता है और उसकी रखवाली करता है।**
- इसके विष का उपयोग **कोब्रोक्सिन और नाइलॉक्सिन** जैसी **दर्द निवारक दवाओं के विकास में किया जाता है।**

और पढ़ें: सर्प विष को निष्क्रिय करने वाली एंटीबॉडी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ophiophagus-kaalinga